

**जी०एस०टी० को उत्तर प्रदेश में लागू करने हेतु व्यापारियों, उद्योगपतियों, अधिवक्ताओं एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ चर्चा हेतु कार्यशाला आयोजित करें शीघ्र : मुख्य सचिव**

**प्रदेश के विकास में व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं संभ्रांत नागरिकों की भागीदारी आवश्यक : दीपक सिंघल**

**पारित बिल को प्रदेश के हित में लागू करने हेतु गंभीर चिन्तन करने की आवश्यकता : मुख्य सचिव**

लखनऊ : 05 अगस्त, 2016

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दीपक सिंघल ने प्रमुख सचिव वाणिज्य कर एवं वित्त को निर्देश दिये कि प्रदेश में जी०एस०टी० को लागू करने में पड़ने वाले प्रभावों के बारे में आम चर्चा करने हेतु छोटे व्यापारियों, बड़े व्यापारियों, उद्योगपतियों, संभ्रांत नागरिकों एवं अधिवक्ताओं को आमंत्रित कर एक कार्यशाला का आयोजन यथाशीघ्र कराया जाये। उन्होंने कहा कि जी०एस०टी० को प्रदेश के हित में लागू करने हेतु गंभीर चिन्तन करने की आवश्यकता है।

श्री सिंघल ने यह भी निर्देश दिये कि यू०पी०एस०आई०डी०सी०, उद्योग, विकास प्राधिकरणों सहित अन्य सम्बन्धित विभागों से मत प्राप्त कर आवश्यकतानुसार एक मास्टर प्लान बनाया जाये। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं संभ्रांत नागरिकों की भागीदारी आवश्यक है।